5. हिंदी (ऐच्छिक) (कोड सं. 002)

कक्षा-11

एक प्रश्नपत्र **समय 3-घंटे** **पूर्णांक-100**

	विषय-सामग्री		अंक
1.	साहित्य-मंजूषा भाग-1		60
2.	नाटक (आधी रात का सूरज)		10
3.	साहित्य का स्वरूप (निर्धारित पुस्तक- साहित्य शास्त्र परिचय)		10
4.	निबंध-लेखन		10
5.	मौखिक-परीक्षण (श्रवण और भाषण)	5 + 5	10

1. साहित्य मंजूषा भाग-1 **30**

(क) गद्य-भाग

(1) सप्रसंग व्याख्या दो में से एक (प्रसंग, व्याख्या, भाषा शैली) 10

(2) पाठों की विषय वस्तु पर आधारित 4 में से 3 प्रश्न 12

(3) दो में से किसी एक लेखक का परिचय 8

(जीवन-परिचय, रचना-परिचय, भाषा-शिल्प की विशेषताएं)

(ख) काव्य-भाग **30**

(1) सप्रसंग व्याख्या दो में से एक (प्रसंग, व्याख्या, काव्य सौंदर्य) 10

(एक मध्यकाल से, एक आधुनिक काल से)

(2) कविता के कथ्य और काव्य सौंदर्य पर 4 में से 3 प्रश्न 4 + 4 + 4 12

(कथ्य पर 1 और काव्य सौंदर्य 2)

(3) किसी एक कवि का परिचय 8

(जीवन-परिचय, रचना- परिचय, काव्य-शिल्प की विशेषताएं)

2. नाटक (आधी रात का सूरज) 10

(1) कथा- वस्तु पर आधारित (दो में से एक प्रश्न)

(2) चरित्र- चित्रण पर आधारित दो में से प्रश्न)

3. साहित्य शास्त्र- परिचय 10

(1) साहित्य का उद्देश्य और विधाएं (दो में से एक प्रश्न) 4

(2) रस और शब्द- शक्तियां (तीन में से दो प्रश्न) 4

(3) अलंकार (दो में से एक प्रश्न) 2

4. **निबंध-लेखन :** 10

(सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक अथवा साहित्यिक विषय पर लगभग
300 शब्दों में एक निबंध

5. **मौखिक परीक्षण :** 10

(1) श्रवण (सुनना) : वर्णित या पठित सामग्री को सुनकर अर्थग्रहण करना, वार्तालाप करना, वाद-विवाद भाषण, कवितापाठ आदि को सुनकर समझना, मूल्यांकन करना और अभिव्यक्ति के के ढंग को समझना । 5

(2) बोलना : (भाषण, सस्वर कविता-पाठ, वार्तालाप और उसकी औपचारिकता कार्यक्रम-प्रस्तुति, कथा-कहानी अथवा घटना सुनाना, परिचय देना, भावानुकूल संवाद-वाचन।) 5

वार्तालाप की दक्षताएँ:- 10

टिप्पणी : वार्तालाप की दक्षताओं का मूल्यांकन निरंतरता के आधार पर परीक्षा के समय ही होगा। निर्धारित 10 अंकों में से 5 श्रवण (सुनना) के मूल्यांकन के लिए और 5 (बोलना) के मूल्यांकन के लिए होंगे।

श्रवण (सुनना) का मूल्यांकन:-

परीक्षक किसी प्रासंगिक विषय पर एक अनुच्छेद का स्पष्ट वाचन करेगा। अनुच्छेद तथ्यात्मक या सुझावात्मक हो सकता है। अनुच्छेद लगभग 250 शब्दों का होना चाहिए। परीक्षार्थी/परीक्षक अध्यापक को सुनते-सुनते अलग कागज़ पर दिए हुए श्रवण बोध के अभ्यासों को हल कर सकेंगे।

अभ्यास रिक्तस्थान पूर्ति, बहुविकल्पी अथवा सत्य/असत्य का चुनाव आदि विधाओं में हो सकते हैं। प्रत्येक आधे अंक के लिए 10 परीक्षण प्रश्न होंगे।

वाचन (बोलना) का मूल्यांकन:-

1. **चित्रों के क्रम पर आधारित वर्णन:** इस भाग में अपेक्षा की जाएगी कि विद्यार्थी विवरणात्मक भाषा का प्रयोग करें।
2. **किसी चित्र का वर्णन:** (चित्र लोगों या स्थानों के हो सकते हैं।)
3. **किसी निर्धारित विषय पर बोलना** जिससे विद्यार्थी अपने व्यक्तिग अनुभव का प्रत्यास्मरण कर सकें ।
4. कोई **कहानी सुनाना** या किसी **घटना का वर्णन करना।**

टिप्पणी :
- परीक्षण से पूर्व परीक्षार्थी को कुछ तैयारी के लिए समय दिया जाए।
- विवरणात्मक भाषा में वर्तमान काल का प्रयोग अपेक्षित है।
- निर्धारित विषय परीक्षार्थी के अनुभव-जगत के हों जैसे:

  -कोई चुटकला या हास्य प्रसंग सुनाना

  -हाल में पढ़ी पुस्तक या देखे सिनेमा की कहानी सुनाना

जब परीक्षार्थी बोलना प्रारंभ कर दे तो परीक्षक कम से कम हस्तक्षेप करें।

कौशलों के अंतरण का मूल्यांकन माप

श्रवण (सुनना)

विद्यार्थी में-

1. परिचित संदर्भों में प्रयुक्त शब्दों और पदों को समझने की सामान्य योग्यता है किन्तु वह सुसबंद्ध आशय को नहीं समझ पाता।

2. छोटे संबद्ध कथनों को परिचित संद्र्भों में समझने की योग्यता है।

3. परिचित या अपरिचित दोनों संदर्भों में कथित सूचना को स्पष्ट समझने की योग्यता है।

4. दीर्घ कथनों की श्रृंखला को पर्याप्त शुद्धता से समझने और निष्कर्ष निकालने की योग्यता है।

5. जटिल कथनों के विचार-बिंदुओं को समझने की योग्यता प्रदर्शित करने की क्षमता है वह उद्देश्य के अनुकूल सुनने की कुशलता प्रदर्शित करता है।

वाचन (बोलना)

विद्यार्थी-

1. केवल अलग-अलग शब्दों और पदों के प्रयोग की योग्यता प्रदर्शित करता है किन्तु एक सुसंबद्ध स्तर पर नहीं बोल सकता।

2. परिचित संद्र्भों में केवल छोटे संबद्ध कथनों का सीमित शुद्धता से प्रयोग करता है।

3. अपेक्षाकृत दीर्घ भाषण में अधिक जटिल कथनों के प्रयोग की योग्यता प्रदर्शित करता है, अभी भी कुछ अशुद्धियां करता है जिससे प्रेषण में रुकावट आती है।

4. अपरिचित स्थितियों में विचारों को तार्किक ढंग से संगठित कर धारा प्रवाह रूप में प्रस्तुत करता है। ऐसी गलतियाँ करता है जिनसे प्रेषण में रुकावट नहीं आती।

5. उद्देश्य और श्रोता के लिए उपयुक्त शैली को अपना सकता है, केवल मामूली गलतियाँ करता है।

निर्धारित पुस्तकें

1. **साहित्य मंजूषा**-भाग-1, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित।
2. नाटक : **आधी रात का सूरज**, लेखक चिरंजीत, प्रकाशक आर्य बुक डिपो, करोल बाग, नई दिल्ली।
3. **साहित्य शास्त्र परिचय** : राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित।

5. हिंदी (ऐच्छिक) (कोड सं. 002)

कक्षा-12

एक प्रश्नपत्र **समय 3-घंटे** **पूर्णांक-100**

	विषय-सामग्री		अंक
1.	**साहित्य मंजूषा-भाग 2**		50
	स गद्य-भाग	25	
	स काव्य-भाग	25	
2.	उपन्यास (रंग-भूमि)		15
3.	हिन्दी साहित्य का इतिहास-सामान्य परिचय		13
	मध्यकाल (भक्तिकाल और रीतिकाल)	4	
	आधुनिक काल	6	
4.	निबंध-लेखन		12
	(लगभग 300 शब्दों में)		10
5.	अपठित-बोध • काव्यांश बोध	5	
	• गद्यांश बोध	5	

1. साहित्य मंजूषा भाग-2

(क)गद्य-भाग **25**

(1)दो में से एक सप्रसंग व्याख्या (प्रसंग, व्याख्या, भाषा शैली) 10

(2)पाठों की विषय वस्तु पर आधारित 4 में से 3 विश्लेषणात्मक प्रश्न (4 + 4 + 4) 12

(3)पाठों पर आधारित जीवन - मूल्यों से संबंधित 2 में से 1 प्रश्न 3

(ख)काव्य-भाग : **25**

(1)दो में से एक सप्रसंग व्याख्या (प्रसंग, व्याख्या, काव्य सौंदर्य) 5 + 5 10

(2)कविता अथवा काव्यांश के कथ्य एवं काव्य-सौंदर्य पर 4 में से 3 प्रश्न 3 + 3 + 3 9

(3)कवि-परिचय (दो में से एक) 6

(जीवन-परिचय, रचना-परिचय, काव्य-शिल्प)

2. उपन्यास : (रंग-भूमि) **15**

(1) कथा वस्तु पर आधारित 2 में से 1 प्रश्न 5

(2) चरित्र-चित्रण पर आधारित 2 में से 1 प्रश्न 5

(3) उद्देश्य, देश- काल, भाषा शैली पर आधारित 2 में से 1 प्रश्न 5

3. हिन्दी-साहित्य का संक्षिप्त इतिहास : 13

(1) विभिन्न काल- खंडों के साहित्य की सामान्य विशेषताओं/प्रवृतियों पर 2 में से 1 प्रश्न 4

(2) छायावाद प्रगतिवाद, प्रयोगवाद और 'नई कविता' की प्रमुख प्रवृत्तियों पर 2 में से 1 प्रश्न 5

(3) निबंध, उपन्यास, कहानी ओर नाटक के कमिक विकास पर 2 में से 1 प्रश्न 4

4. निबंध लेखन : 12

(साहित्यिक, सांस्कृतिक, नैतिक अथवा समसामयिक विषय पर लगभग 300 शब्दों में से एक निबंध)

5. अपठित बोध : 10

(1) अपठित गद्यांश- बोध (लगभग 150 शब्दों के गद्यांश पर आधारित 3 से 5 प्रश्न)

(2) अपठित काव्यांश- बोध (लगभग 150 शब्दों के काव्यांश पर आधारित 3 से 5 प्रश्न)

निर्धारित पुस्तकें

1. **साहित्य मंजूषा**- भाग 2 .: पाठ्यपुस्तक, राष्ट्रीय शैक्षिक और अनुसंधान प्रशिक्षण परिषद् नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित।
2. उपन्यास- **रंग भूमि**- (संक्षिप्त-सम्पादित विद्यार्थी संस्करण) लेखक प्रेमचंद, राष्ट्रीय शैक्षिक और अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित।
3. **हिंदी साहित्य का इतिहास- सामान्य परिचय** (राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित।)